भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 925
दिनांक 27 जुलाई, 2026

प्रयागराज में ओएनजीसी-बीपीसीएल परिशोधनशाला और पेट्रोरसायन परिसर

925 **श्रीमती गीता उर्फ चन्द्रप्रभाः**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत की सबसे बड़ी कच्चे तेल की अन्वेषण कंपनी ओएनजीसी, बीपीसीएल के सहयोग से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगभग ₹70,000 करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत से 9 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता वाले, परिशोधनशाला-सह-पेट्रोरसायन परिसर की स्थापना करने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय मंजूरी और परियोजना की स्वीकृतियों की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ग) परियोजना के निर्माण और परिचालन के दौरान उत्तर प्रदेश के निवासियों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सृजित किए जाने वाले अनुमानित रोजगार का ब्यौरा क्या है;

(घ) उत्तर प्रदेश को प्राप्त होने वाले अनुमानित वार्षिक राजकोषीय लाभों (जैसे राज्य राजस्व, रॉयल्टी

तथा डाउनस्ट्रीम उद्योगों के विकास) का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) परिशोधनशाला के निर्माण कार्य के प्रारंभ और उसके चालू होने की अनुमानित समय-सीमा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) वर्तमान में उत्तर प्रदेश में रिफाइनरी-सह-पेट्रोरसायन परिसर की स्थापना करने संबंधी कोई भी प्रस्ताव सरकार अथवा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) तथा ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के बोर्डों के विचाराधीन नहीं है।

(ख) से (ङ) उपर्युक्त (क) के आलोक में यह प्रश्न नहीं उठता है।

*****